



॥ श्री दुर्गा हवन विधि ॥  
माँ दुर्गा , भय, भ्रम, नकारात्मकता  
और बाधाएँ दूर करती है

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

# ॥ श्री दुर्गा हवन विधि ॥

## ॥ 1. तैयारी ॥

हवन कुण्ड स्थापित करें, पूर्व या उत्तर दिशा की ओर बैठें।  
सामग्री:- हवन कुण्ड, आम की लकड़ी / समिधा, घी, हवन सामग्री  
कपूर, जल पात्र, चावल, पुष्प, नारियल, गुड़ / लौंग / इलायची (इच्छानुसार)

## ॥ 2. शुद्धि ॥

हाथ में जल लेकर छिड़कें।  
ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।  
यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥

## ॥ 3. गणेश पूजन ॥

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।  
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

## ॥ 4. संकल्प ॥

आज मैं श्रद्धा से  
श्री दुर्गा हवन करता/करती हूँ।  
परिवार सुख, रक्षा, शांति, समृद्धि हेतु।

## ॥ 5. अग्नि प्रज्वलन ॥

कपूर से अग्नि जलाएँ।  
ॐ अग्नये नमः ॥

## ॥ 6. देवी आवाहन ॥

ॐ दुं दुर्गायै नमः आवाहयामि स्थापयामि पूजयामि ॥

## ॥ 7. मुख्य हवन मन्त्र ॥

हर आहुति परः ॐ दुं दुर्गायै स्वाहा ॥  
(11, 21, 51, या 108 आहुति)  
या

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे स्वाहा ॥

### ॥ 8. विशेष आहुति ॥

रक्षा हेतुः ॐ दुर्गे दुर्गे रक्षिणि स्वाहा ॥  
संकट नाशः ॐ कात्यायन्यै स्वाहा ॥ साहस हेतुः  
ॐ चण्डिकायै स्वाहा ॥

### ॥ 9. पूर्णाहुति ॥

नारियल / विशेष सामग्री / घी अर्पित करें।  
ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं स्वाहा ॥

### ॥ 10. शांति पाठ ॥

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।  
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ॥

### ॥ 11. आरती ॥

जय अम्बे गौरी...

### ॥ 12. क्षमा प्रार्थना ॥

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।  
पूजां चैव न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरि ॥

### ॥ 13. समापन ॥

जल की परिक्रमा करें, प्रणाम करें, भस्म शांति से रखें।

### ॥ फल ॥

गृह शुद्धि, नकारात्मकता नाश, साहस, रक्षा, समृद्धि, देवी कृपा

॥ इति श्री दुर्गा हवन विधि सम्पूर्णम् ॥

॥ जय माता दी ॥